अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 153 श्री विजय पुरम, बुधवार, 10 जून 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत सरपंच सम्मेलन आयोजित

श्री विजय पुरम, 9 जून

देशव्यापी "खेत बचाओ अभियान" के अंतर्गत आईसीएआर केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम द्वारा 9 जून, 2026 को उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर एक सरपंच सम्मेलन एवं परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, कृषि विभाग, केंद्रीय समेकित कीट प्रबंधन केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारियों, दक्षिण अण्डमान की आठ पंचायतों के सरपंचों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों तथा प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। बैठक में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सतत कृषि पद्धतियों तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर चर्चा की गई।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डॉ. वाई. रामकृष्ण, प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष ने द्वीपों में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन और सतत कृषि प्रणालियों को बढावा देने के लिए सभी हितधारकों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व पर बल दिया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री देबब्रत बसंतिया, निदेशक (कृषि), अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मृदा का क्षरण, उर्वरता में कमी तथा पर्यावरणीय नुकसान होता है। उन्होंने किसानों से समय समय पर मृदा परीक्षण कराने का आग्रह किया तथा

ग्राम स्तर पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. जय सुंदर ने किसानों से जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया तथा कृषि विभाग को सलाह दी कि किसानों को समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बीजों और रोपण सामग्री की मांग का अग्रिम आकलन किया जाए। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने पर भी जोर देते हुए कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण और सूक्ष्म प्लास्टिक (माइक्रोप्लास्टिक) मृदा, जल तथा मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करते हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम का समापन विषय विशेषज्ञ श्री मोहित द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी के लिए सभी प्रतिभागियों एवं हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया।